



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 153]
No. 153]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 27, 1986/चैत्र 6, 1908
NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 27, 1986/CHAITRA 6, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 25 मार्च, 1986

अधिसूचना

सं. 202/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का नि. 535(अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क
नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का
प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की
अधिसूचना सं. 175/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1986
में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, पैरा 5 के पश्चात् और स्पष्टीकरण 1 के पहले
निम्नलिखित पैरा अंतर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“6 इस अधिसूचना की कोई बात, तारीख 25 मार्च, 1986
को प्रारम्भ होने वाले और तारीख 31 मार्च, 1986 को समाप्त
होने वाली अवधि (जिसमें दोनों तारीखें सम्मिलित हैं) के
दौरान घरेलू उपयोग के लिए विनिर्दिष्ट नाल की निकास को लागू
होती है।”

[फा स बी -21/2/86-टी वार यू]
के एस वेंकटगिरी, अधर सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

New Delhi, the 25th March, 1986

NOTIFICATION

No. 202/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 535(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 175/86-Central Excises, dated the 1st March, 1986, namely :—

In the said notification, after paragraph 5 and before Explanation I, the following paragraph, shall be inserted, namely :—

“6 Nothing contained in this notification shall apply to the clearances of specified goods for home consumption during the period beginning with the 25th day of March, 1986 and ending with the 31st day of March, 1986 (both days inclusive.)”

[No. B. 21/2/86-TRU]

K. S. VENKATAGIRI, Under Secy.

अधिसूचना

सं. 203/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नि. 536(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के शीर्ष सं. 39.20 के अन्तर्गत आने वाली 0.25 मिलीमीटर से कम मोटाई को पालिवाइनिल क्लोराइड फिल्मों की, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है:

परन्तु यह तब जब कि उक्त माल, किसी ऐसे औद्योगिक एकक द्वारा जिसकी बाबत किसी ऐसे अधिकारी का, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर की पंक्ति से नोचे का न हो, समाधान हो जाता है कि केवल ऐसे संयंत्र और मशीनरी पर, जो ऐसे संयंत्र और मशीनरी के आरंभिक संस्थापन की तारीख या तारीखों को उसमें संस्थापित थे, पूर्ण विनिधान बीस लाख रुपये से अधिक नहीं है, एकसद्रूप प्रक्रिया द्वारा उत्पादित किए जाते हैं।

2. यह अधिसूचना तारीख 31 मार्च, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रवृत्त रहेगी।

NOTIFICATION

No. 203/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 536(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts Polyvinyl Chloride films of thickness below 0.25 millimetres, falling under heading No. 39.20 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), from the whole of the duty of excise leviable thereon which is specified in the said Schedule:

Provided that the said goods are produced by extrusion process, by an industrial unit in respect of which an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that the capital investment on the plant and machinery only, installed therein as on the date or dates of the initial installation of such plant and machinery, is not more than rupees twenty lakhs.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of March, 1986.

अधिसूचना

सं. 204/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नि. 537(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपाबद्ध सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट वर्णन के और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के शीर्ष सं. 85.27 के अन्तर्गत आने वाले रेडियो (जिसके अन्तर्गत ट्रांजिस्टर सेट भी हैं) को उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद शुल्क से जितना उक्त सारणी के स्तंभ (3) में की तत्त्वाना प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट दर पर संगणित रकम से अधिक है, छूट देती है।

सारणी

क्रम सं.	वर्णन	शुल्क की दर
(1)	(2)	(3)
1.	एक या दो बैटों के सेट	15 प्रतिशत मूल्यानुसार
2.	अन्य	20 प्रतिशत मूल्यानुसार

परन्तु सारणी के स्तंभ (3) में विनिर्दिष्ट शुल्क दस प्रतिशत मूल्यानुसार कम कर दिया जाएगा :—

(i) यदि सेटों का विनिर्माण किसी ऐसे औद्योगिक एकक में या तो स्वयं उसकी ओर से या किसी स्टेट इलेक्ट्रॉनिक डेवलेपमेंट कॉर्पोरेशन की ओर से किया जाता है जिसके संबंध में किसी ऐसे अधिकारी का जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक कलक्टर की पंक्ति से नोचे का न हो, यह समाधान हो जाता है कि केवल संयंत्र और मशीनरी पर समस्त व्यय पर किए गए पूर्ण विनिधान को मूल्य का कुल धनराशि से बोन जाब रूप से अधिक नहीं है, और

(ii) पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान एक या अधिक कारखानों से ऐसे विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से देशी उपभोग के लिए इस प्रकार निकासी किए गए ऐसे सेटों, यदि कोई हों, का कुल मूल्य एक करोड़ रुपये से अधिक नहीं था :

परन्तु यह औरकि प्रथम परन्तुक में यथाविनिर्दिष्ट शुल्क को निम्नतर दरें उस दशा में लागू नहीं होंगी यदि पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान एक या अधिक कारखानों से ऐसे विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से देशी उपभोग के लिए सभी उत्पाद-शुल्क योग्य माल की निकासी का कुल मूल्य दो करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

स्पष्टीकरण—1. पूर्ण विनिधान के मूल्य की कुल राशि का अवधारण करते समय, उस समय जब ऐसा विनिधान किया गया या विनिधान केवल अंकित मूल्य को हिसाब में लिया जाएगा, किन्तु ऐसे संयंत्र और मशीनरी पर जिसे औद्योगिक एकक से स्थायी रूप से हटा दिया गया है या जो किसी उपयोग के अयोग्य हो गई है, किये गए विनिधान के मूल्य को ऐसे अवधारण से अपवर्जित कर दिया जाएगा।

स्पष्टीकरण—2. इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, "मूल्य" का वही अर्थ होगा जो उसका केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 4 में है।

2. यह अधिसूचना 31 मार्च, 1986 तक जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रवृत्त रहेगी।

[फा. सं. बी-21/2/86-टी आरएयू]

गीतम रे, अव्वर सचिव।

NOTIFICATION

No. 204/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 537(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts radios (including transistor sets) of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed and falling under heading No. 85.27 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) from so much of the duty of excise leviable thereon

which is specified in the said Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

S.No	Description	Rate of duty
(1)	(2)	(3)
1.	Sets of one or two bands.	Fifteen per cent ad valorem.
2.	Others.	Twenty per cent ad valorem

Provided that the duties specified in column (3) of the Table shall be reduced by ten per cent. *ad valorem*—

(i) if the sets are manufactured in an industrial unit, either on its own behalf or on behalf of a State Electronic Development Corporation, in respect of which an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that the sum total of the value of capital investment made from time to time on plant and machinery only is not more than rupees twenty lakhs; and

(ii) the total value of such sets so cleared, if any, for home consumption by or on behalf of such manufacturer from one or more factories during the preceding financial year did not exceed rupees one crore :

Provided further that the lower rates of duty as specified in the first proviso shall not apply if the aggregate value of clearances of all excisable goods, for home consumption by or on behalf of such manufacturer from one or more factories during the preceding financial year had exceeded rupees two crores.

Explanation I.—While determining the sum total of the value of the capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account, but the value of the investment made on plant and machinery which have been removed permanently from the industrial unit or rendered unfit for any use shall be excluded from such determination.

Explanation II.—For the purposes of this notification, "value" shall have the same meaning as in section 4 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of March, 1986.

[F. No. B-21/2/86-TRU]
GAUTAM RAY, Under Secy.

अधिसूचना

सं. 205/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नि. 538(प्र) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के उपशीर्ष सं. 6401.11 के अंतर्गत आने वाले जूते को, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है :

परन्तु यह तब जब कि—

- (i) ऐसे जूते का उत्पादन एक या अधिक कारखानों, जिनके अंतर्गत उनको परिसीमाएं भी हैं, में, जिनमें 49 से अधिक कर्मकार कार्य कर रहे हैं या पूर्ववर्ती 12 मास के किसी दिन को कार्य कर रहे थे, किसी विनिर्माता द्वारा किया जाता है; या
- (ii) एक या अधिक कारखानों में किसी विनिर्माता द्वारा ऐसे जूते के विनिर्माण में उपयोग की गई विजली का कुल समतुल्य 2 अश्व शक्ति से अधिक न हो।

2. यह अधिसूचना तारीख 31 मार्च, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रवृत्त रहेगी।

NOTIFICATION

No. 205/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 538(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts footwear, falling under sub-heading No. 6401.11 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), from the whole of the duty of excise leviable thereon which is specified in the said Schedule :—

Provided that—

- (i) such footwear is produced by a manufacturer in one or more factories, including the precincts thereof, wherein not more than 49 workers are working, or were working on any day of the preceding 12 months; or
- (ii) the total equivalent of power used in the manufacture of such footwear by a manufacturer in one or more factories does not exceed 2 Horse Power.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of March, 1986.

अधिसूचना

सं. 206/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नि. 539(प्र) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के उपशीर्ष सं. 3204.11, 3204.19, 3204.21 और 3204.29 के अंतर्गत आने वाले रंजकों और उन पर आधारित विनिर्मितियों तथा संश्लिष्ट कार्बनिक रंजक और उन पर आधारित विनिर्मितियों को (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है) किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से घरेलू उपयोग के लिए पन्द्रह लाख रुपये से अधिक के कुल मूल्य तक उक्त माल की प्रथम निकटबी की बाबत, जिसकी निकासी 1 अप्रैल, 1985

को या उसके पश्चात् और 31 मार्च, 1986 तक, जिसमें यह दिन भी है, को जाती है (केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य अधिसूचना के साथ पठित), उक्त अनुसूची के अधीन विनिर्दिष्ट उस पर उद्ग्रहणीय उत्तरे उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना ऐसे शुल्क के पचास प्रतिशत से अधिक है :

परन्तु एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से किसी कारखाने से इस अधिसूचना और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 44/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 28-2-1982 के अधीन शुल्क की बटो दर पर उक्त माल की निकासी का कुल मूल्य वित्तीय वर्ष 1985-86 में पन्द्रह लाख रुपये से अधिक नहीं होगा।

2. इस अधिसूचना की कोई बात ऐसे विनिर्माता को लागू नहीं होगी,—

(i) यदि उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से घरेलू उपभोग के लिए पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान सभी उत्पाद-शुल्क माल की निकासी का कुल मूल्य बीस लाख रु० से अधिक हो गया हो;

(ii) यदि उसके द्वारा या उसकी ओर एक या अधिक कारखानों से घरेलू उपभोग के लिए पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान उक्त माल की निकासी का कुल मूल्य पन्द्रह लाख रुपये से अधिक हो गया हो।

3. जहाँ किसी विनिर्माता ने पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में उक्त माल की निकासी नहीं की है या पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में 1 अगस्त को या उसके पश्चात् प्रथम बार उक्त माल की निकासी की है, वहाँ इस अधिसूचना में अन्तर्बिष्ट छूट ऐसे विनिर्माता को लागू होगी,—

(क) यदि वह सहायक उत्पाद-शुल्क कलक्टर के पास इस आशय की घोषणा फाइल कर देता है,—

(i) कि उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से घरेलू उपभोग के लिए वित्तीय वर्ष 1985-86 के दौरान सभी उत्पाद-शुल्क माल की निकासी का कुल मूल्य बीस लाख रुपये से अधिक होने की संभावना नहीं है; और

(ii) कि उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से घरेलू उपभोग के लिए वित्तीय वर्ष 1985-86 के दौरान उक्त माल की निकासी का कुल मूल्य पन्द्रह लाख रुपये से अधिक होने की संभावना नहीं है; और

(ख) (i) यदि उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से घरेलू उपभोग के लिए वित्तीय वर्ष 1985-86 के दौरान सभी उत्पाद-शुल्क माल की निकासी का कुल मूल्य बीस लाख रुपये से अधिक नहीं है; और

(ii) यदि उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से घरेलू उपभोग के लिए वित्तीय वर्ष 1985-86 के दौरान उक्त माल की निकासी का कुल मूल्य पन्द्रह लाख रुपये से अधिक नहीं है।

4. इस अधिसूचना की कोई बात लागू नहीं होगी,—

(i) यदि एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से किसी कारखाने से घरेलू उपभोग के लिए पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान सभी उत्पाद-शुल्क माल की निकासी का कुल मूल्य बीस लाख रुपये से अधिक हो गया हो;

(ii) यदि एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से किसी कारखाने से घरेलू उपभोग के लिए पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान उक्त माल की निकासी का कुल मूल्य पन्द्रह लाख रुपये से अधिक हो गया हो।

5. जहाँ उक्त माल की निकासी पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में किसी कारखाने से नहीं की गई है या उसकी निकासी पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में 1 अगस्त को या उसके पश्चात् प्रथम बार की गई है, वहाँ इस अधिसूचना में अन्तर्बिष्ट छूट लागू नहीं होगी,—

(i) यदि एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से ऐसे कारखाने से घरेलू उपभोग के लिए वित्तीय वर्ष 1985-86 के दौरान सभी उत्पाद-शुल्क माल की निकासी का कुल मूल्य बीस लाख रुपये से अधिक हो जाता है;

(ii) यदि एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से ऐसे कारखाने से घरेलू उपभोग के लिए वित्तीय वर्ष 1985-86 के दौरान उक्त माल की निकासी का कुल मूल्य पन्द्रह लाख रुपये से अधिक हो जाता है।

स्पष्टीकरण 1—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, “मूल्य” शब्द से वह मूल्य अभिप्रेत है जिसका अधिधारण केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 4 के उपबन्धों के अनुसार किया जाता है।

स्पष्टीकरण 2—इस अधिसूचना के अधीन निकासी के कुल मूल्य की संगणना करने के प्रयोजनों के लिए, किसी उत्पाद-शुल्क माल की निकासी जिसको केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य अधिसूचना द्वारा (जो ऐसी अधिसूचना नहीं है जहाँ उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट किसी वित्तीय वर्ष में की गई निकासियों के मूल्य या मात्रा पर आधारित है) उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त है, हिसाब में नहीं ली जाएगी।

6. यह अधिसूचना 31 मार्च, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी है, प्रवृत्त रहेगी।

NOTIFICATION

No. 206/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 539(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts pigments and preparations based thereon and synthetic organic dyes and preparations based thereon, falling under sub-heading Nos. 3204.11, 3204.19, 3204.21 and 3204.29 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), (hereinafter referred to as the said goods), in respect of the first clearances of the said goods for home consumption by or on behalf of a manufacturer from one or more factories upto an aggregate value not exceeding rupees fifteen lakhs, cleared on or after the 1st day of April, 1985 and upto and inclusive of the 31st day of March, 1986, from so much of the duty of excise leviable thereon as is specified in the said Schedule (read with any other notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and in force for the time being) as is in excess of fifty per cent, of such duty :

Provided that the aggregate value of clearances of the said goods from any factory by or on behalf of one or more manufacturers at the reduced rate of

duty under this notification and the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 44/82-Central Excises, dated the 28th February, 1982, shall not exceed rupees fifteen lakhs in the financial year 1985-86.

2. Nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer,—

- (i) if the aggregate value of clearances of all excisable goods by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories, during the preceding financial year, had exceeded rupees twenty lakhs;
- (ii) if the aggregate value of clearances of the said goods by him or on his behalf for home consumption, from one or more factories, during the preceding financial year, had exceeded rupees fifteen lakhs.

3. Where a manufacturer has not cleared the said goods in the preceding financial year, or has cleared the said goods for the first time on or after the 1st day of August in the preceding financial year, the exemption contained in this notification shall be applicable to such manufacturer,—

(a) if he files a declaration with the Assistant Collector of Central Excise,—

- (i) that the aggregate value of clearances of all excisable goods by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories, during the financial year 1985-86 is not likely to exceed rupees twenty lakhs; and
 - (ii) that the aggregate value of clearances of the said goods by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories, during the financial year 1985-86 is not likely to exceed rupees fifteen lakhs; and
- (b) (i) if the aggregate value of clearances of all excisable goods by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories, during the financial year 1985-86 does not exceed rupees twenty lakhs; and
- (ii) if the aggregate value of clearances of the said goods by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories, during the financial year 1985-86 does not exceed rupees fifteen lakhs.

4. Nothing contained in this notification shall apply,—

- (i) if the aggregate value of clearances of all excisable goods from any factory by or on behalf of one or more manufacturers, for home consumption, during the preceding financial year, had exceeded rupees twenty lakhs;
- (ii) if the aggregate value of clearances of the said goods from any factory by or on behalf

of one or more manufacturers, for home consumption, during the preceding financial year, had exceeded rupees fifteen lakhs.

5. Where the said goods have not been cleared from any factory in the preceding financial year, or have been cleared for the first time on or after the first day of August in the preceding financial year, the exemption contained in this notification shall not be applicable,—

- (i) if the aggregate value of clearances of all excisable goods from such factory by or on behalf of one or more manufacturers, for home consumption, during the financial year 1985-86, exceeds rupees twenty lakhs;
- (ii) if the aggregate value of clearances of the said goods from such factory by or on behalf of one or more manufacturers, for home consumption, during the financial year 1985-86, exceeds rupees fifteen lakhs.

Explanation I.—For the purposes of this notification the expression “value” means the value as determined in accordance with the provisions of section 4 of the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

Explanation II.—For the purposes of computing the aggregate value of clearances under this notification, the clearances of any excisable goods, which are exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon by any other notification (not being a notification where exemption from the whole of the duty of excise leviable thereon is granted based upon the value or quantity of clearances made in a financial year) issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and for the time being in force, shall not be taken into account.

6. This notification shall remain in force upto and inclusive of the 31st day of March, 1986.

अधिसूचना

सं. 207/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नि. 540(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के बर्णको, रंगों, पेंटों इनामलों, बार्निशों, कालिख और ऐसे सेलूलोस लेकरों को जो किसी ऐसे कारखाने में जिसमें पूर्वोक्त उत्पाद में से किसी का विनिर्माण नहीं किया जाता है, किसी विनिर्माता द्वारा शक्ति की सहायता से विनिर्मित किए गए हैं, उस पर उद्ग्रहणीय ऐसे समस्त उत्पाद-शुल्क से जो उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट है, छूट देती है :

परन्तु इस अधिसूचना की कोई बात किसी कारखाने में विनिर्मित ऐसे बर्णकों, रंगों, पेंटों, एनेमलो, बार्निशों, कालिखों और सेलूलोस लेकरों को लागू नहीं होगी, यदि—

(क) विनिर्माता, या

(ख) जब कोई विनिर्माता कोई भागीदारी फर्म है, तो उसके किसी भागीदार का,

किसी ऐसे अन्य कारखाने में जिसमें किसी उक्त उत्पाद के विनिर्माण में शक्ति का प्रयोग किया जाता है

और जहाँ वित्तीय वर्ष 1985-86 के दौरान सभी या किसी एक या अधिक उक्त उत्पादों का कुल उत्पादन दो लाख रुपये मूल्य से अधिक है, साम्प्रतिक हित है।

स्पष्टीकरण—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए “मूल्य” पद का केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 4 के उपबन्धों के अनुसार यथा अवधारित मूल्य अभिप्रेत है।

2 यह अधिसूचना 31 मार्च, 1986 तक जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रवृत्त होगी।

NOTIFICATION

No. 207/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 540(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts pigments, colours, paints, enamels, varnishes, blacks and cellulose lacquers, falling under Chapter 25, 27, 28 or 32, as the case may be, of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), and manufactured by a manufacturer in a factory in which none of the aforesaid products is manufactured with the aid of power, from the whole of the duty of excise leviable thereon as is specified in the said Schedule :

Provided that nothing contained in this notification shall apply to such pigments, colours, paints, enamels, varnishes, blacks and cellulose lacquers manufactured in a factory, if—

(a) the manufacturer, or

(b) when the manufacturer is a partnership firm, any partner thereof,—

has proprietary interest in any other factory in which power is used in the manufacture of any of the said products and where the total production of all or any one or more of the said products during the financial year 1985-86 exceeds Rs. 2 lakhs in value.

Explanation.—For the purposes of this notification the expression ‘value’ means the value as determined in accordance with the provisions of section 4 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of March, 1986.

अधिसूचना

सं 208/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा का नि. 541(घ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के उपशीर्ष सं 3204 11, 3204 19, 3204 21 और 3204 29 के अन्तर्गत आने वाले पिगमेंट और उस पर आधारित विनिर्मितियों को तथा सखिल्ल काल्बैनिक रजक और उस पर आधारित विनिर्मितियों को किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से देशी उपभोग के लिए ढाई लाख रुपये से अधिक के कुल मूल्य तक उक्त माल की प्रथम निकासी की बाधत, जिसकी निकासी 1 अप्रैल को या उसके पश्चात्, 31 मार्च, 1986 तक

जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी सम्मिलित है, की जाए है, उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से जो उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट है, छूट देती है—

परन्तु एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से किसी कारखाने से इस अधिसूचना और भारत सरकार के वित्त मन्त्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं 43/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 28 फरवरी, 1982 के अधीन शुल्क की शून्य दर पर उक्त माल की प्रथम निकासी का कुल मूल्य वित्तीय वर्ष 1985-86 में ढाई लाख रुपये से अधिक नहीं होगा।

2. इस अधिसूचना के कोई बात लागू नहीं होगी यदि,—

(i) किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से, या

(ii) एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से किसी कारखाने से,

देशी उपभोग के लिए सभ्य उत्पाद-शुल्क योग्य माल की निकासी का कुल मूल्य पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान ढाई लाख रुपये से अधिक हो गया है।

3 जहाँ किसी विनिर्माता ने पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में उक्त माल की निकासी नहीं की है या पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में 1 अप्रैल को या उसके पश्चात् प्रथम बार उक्त माल की निकासी की है, वहाँ इन अधिसूचना में अन्तर्दिष्ट छूट ऐसे विनिर्माता को लागू होगी,—

(i) यदि वह सहायक उत्पाद-शुल्क कलक्टर के पास इस प्राशय की घोषणा फाइल कर देता है कि उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से देशी उपभोग के लिए वित्तीय वर्ष 1985-86 के दौरान सभ्य उत्पाद-शुल्क योग्य माल की निकासी का कुल मूल्य ढाई लाख रुपये से अधिक होने की सम्भावना नहीं है; और

(ii) यदि उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से देशी उपभोग के लिए वित्तीय वर्ष 1985-86 के दौरान सभी उत्पाद-शुल्क योग्य माल की निकासी का कुल मूल्य ढाई लाख रुपये से अधिक नहीं है।

4. जहाँ उक्त माल की निकासी पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में किसी कारखाने से नहीं की गई है या उसकी निकासी पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में 1 अप्रैल को या उसके पश्चात् प्रथम बार की गई है, वहाँ इन अधिसूचना में अन्तर्दिष्ट छूट लागू नहीं होगी यदि एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से ऐसे कारखानों से देशी उपभोग के लिए वित्तीय वर्ष 1985-86 के दौरान ऐसे कारखानों से घरेलू उपभोग के लिए वित्तीय वर्ष के दौरान सभी उत्पाद-शुल्क योग्य माल की निकासी का कुल मूल्य ढाई लाख रुपये से अधिक हो जाता है।

स्पष्टीकरण 1 :—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए “मूल्य” पद में वह मूल्य अभिप्रेत है, जिसका अवधारण केन्द्रिय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 4 के उपबन्धों के अनुसार किया जाता है।

स्पष्टीकरण 2 :—इन अधिसूचना के अधीन निकासी के कुल मूल्य की सगणना के प्रयोजनों के लिए, किसी उत्पाद-शुल्क योग्य माल की निकासी को, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और मन्त्रालय प्रवृत्त किसी अन्य अधिसूचना द्वारा (जो ऐसी कोई अधिसूचना नहीं है जिसमें किसी वित्तीय वर्ष में की गई निकासी के मूल्य या मात्रा पर आधारित उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट दी गई है) उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त है हितान्वे में नहीं किया जाएगा।

5 यह अधिसूचना 31 मार्च, 1986 तक जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रवृत्त होगी।

NOTIFICATION

No. 208/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 541(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts pigments and preparations based thereon and Synthetic Organic Dyes and preparations based thereon, falling under sub-heading Nos. 3204.11, 3204.19, 3204.21 and 3204.29 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), (hereinafter referred to as the said goods), in respect of the first clearances of the said goods for home consumption by or on behalf of a manufacturer from one or more factories upto an aggregate value not exceeding rupees two and a half lakhs, cleared on or after the 1st day of April 1985, and upto and inclusive of the 31st day of March, 1986, from the whole of the duty of excise leviable thereon which is specified in the said Schedule :

Provided that the aggregate value of the first clearances of the said goods from any factory by or on behalf of one or more manufacturers at nil rate of duty under this notification and the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 43/82-Central Excises, dated the 28th February, 1982 shall not exceed rupees two and a half lakhs in the financial year 1985-86.

2. Nothing contained in this notification shall apply if the aggregate value of clearances of all excisable goods for home consumption,—

- (i) by or on behalf of a manufacturer, from one or more factories, or
- (ii) from any factory, by or on behalf of one or more manufacturers,

had exceeded rupees two and a half lakhs during the preceding financial year.

3. Where a manufacturer has not cleared the said goods in the preceding financial year, or has cleared the said goods for the first time on or after the 1st day of August in the preceding financial year, the exemption contained in this notification shall be applicable to such manufacturer,—

- (i) if he files a declaration with the Assistant Collector of Central Excise that the aggregate value of clearances of all excisable goods by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories, during the financial year 1985-86 is not likely to exceed rupees two and a half lakhs, and
- (ii) if the aggregate value of clearances of all excisable goods by him or on his behalf, for home consumption from one or more factories, during the financial year 1985-86 does not exceed rupees two and a half lakhs.

4. Where the said goods have not been cleared from any factory in the preceding financial year or have been cleared for the first time on or the 1st

day of August in the preceding financial year, the exemption contained in this notification shall not be applicable if the aggregate value of clearances of all excisable goods from such factory by or on behalf of one or more manufacturers, for home consumption, during the financial year 1985-86 exceeds rupees two and a half lakhs.

Explanation I.—For the purposes of this notification, the expression “value” means the value as determined in accordance with the provisions of section 4 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

Explanation II.—For the purposes of computing the aggregate value of clearances under this notification, the clearances of any excisable goods, which are exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon by any other notification (not being a notification where exemption from the whole of the duty of excise leviable thereon is granted based upon the value or quantity of clearances made in a financial year) issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and for the time being in force shall not be taken into account.

5. This notification shall remain in force upto and inclusive of the 31st day of March, 1986.

अधिसूचना

सं. 209/86—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का नि. 542 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के शीर्ष सं. 22.01 या 22.02 के अंतर्गत आने वाले वातिज जल को, जिनकी निकासी किसी विनिर्दिष्टा द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से 1 अप्रैल को या उसके पश्चात्, 31 मार्च, 1986 तक जिनके अंतर्गत यह तारीख भी सम्मिलित है, देशी उपयोग के लिए की जाती है,—

(क) सहे सत लख रुपए से अधिक के कुल मूल्य तक वातिज जल को प्रथम निकासी की दशा में,—

- (i) ऐसी प्रथम निकासी के भागरूप समान्य व्यापार चिन्ह वाले वातिज जल पर, (केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य अधिसूचना के साथ पठित) उक्त शीर्ष सं. के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से जितना ऐसे शुल्क के पचास प्रतिशत से अधिक है ;

- (ii) ऐसी प्रथम निकासी के भागरूप अन्य वातिज जल पर, उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद शुल्क से ; और

(ख) खण्ड (क) में विनिर्दिष्ट मूल्य की उक्त प्रथम निकासी की सीक अन्तर्गत निकासी की दशा में (जो सहे सत लख रुपए से अधिक के कुल मूल्य के वातिज जल की निकासी है) —

- (i) ऐसी निकासी के भागरूप समान्य व्यापार चिन्ह वाले वातिज जल पर, (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य अधिसूचना के साथ पठित) उक्त शीर्ष सं. के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद शुल्क से जितना ऐसे शुल्क के पचास प्रतिशत से अधिक है ;

- (ii) ऐसी निकामी के भागरूप अन्य वातित जल पर (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य अधिसूचना के माध्यम से) उक्त शीप से के अधीन उस पर उद्घाटनीय उक्त उत्पाद शुल्क से जितन ऐसे शुल्क के पचहत्तर प्रतिशत से अधिक है, छूट देती है:—

परन्तु एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से किसी कारखाने से वातित जल की निकामी का कुल मूल्य:—

- (i) इस पैरा के खण्ड (क) और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 148/82 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 22 अप्रैल, 1982 के पैरा 1 के खण्ड (क), या
- (ii) इस पैरा के खण्ड (ख) और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 148/82-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 22 अप्रैल, 1982 के पैरा 1 के खण्ड (ख), के अनुसार शुल्क की रियायती दर पर, दोनों ही दशाओं में, वित्तीय वर्ष 1985-86 में माटे मान लख रुपए से अधिक नहीं होगा।

2 इस अधिसूचना की कोई बात ऐसे विनिर्माता को लागू नहीं होगी,—

- (i) यदि उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से देशी उपभोग के लिए पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान सभी उत्पाद शुल्क योग्य माल की निकामी का कुल मूल्य बीस लाख रुपए से अधिक नहीं हो गया हो,
- (ii) यदि उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से देशी उपभोग के लिए पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान वातित जन की निकामी का कुल मूल्य पन्द्रह लाख रुपए से अधिक हो गया हो।

3. जहां किसी विनिर्माता ने पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में किसी वातित जल की निकामी नहीं की है या पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में 1 अगस्त को या उसके पश्चात् प्रथम बार वातित जल की निकामी की है, वहां इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट छूट ऐसे विनिर्माता को लागू होगी,—

(क) यदि वह सहयक उत्पाद शुल्क कलक्टर के पास इस अंशय की घोषणा फाइल कर देता है कि—

- (i) उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से देशी उपभोग के लिए वित्तीय वर्ष 1985-86 के दौरान सभी उत्पाद शुल्क योग्य माल की निकामी का कुल मूल्य बीस लाख रुपए से अधिक होने की संभावना नहीं है, और
- (ii) उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से देशी उपभोग के लिए वित्तीय वर्ष 1985-86 के दौरान वातित जल की निकामी का कुल मूल्य पन्द्रह लाख रुपए से अधिक होने की संभावना नहीं है, और

(ख) (i) यदि उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से देशी उपभोग के लिए वित्तीय वर्ष 1985-86 के दौरान सभी उत्पाद शुल्क योग्य माल की निकामी का कुल मूल्य बीस लाख रुपए से अधिक नहीं है, और

(ii) उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से देशी उपभोग के लिए वित्तीय वर्ष 1985-86

के दौरान वातित जल की निकामी का कुल मूल्य पन्द्रह लाख रुपए से अधिक नहीं है।

4. इस अधिसूचना की कोई बात लागू नहीं होगी—

- (i) यदि एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से किसी कारखाने से देशी उपभोग के लिए पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान सभी उत्पाद शुल्क योग्य माल की निकामी का कुल मूल्य बीस लाख रुपए से अधिक हो गया हो,
- (ii) यदि एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से किसी कारखाने से देशी उपभोग के लिए पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान वातित जल की निकामी का कुल मूल्य पन्द्रह लाख रुपए से अधिक हो गया हो।

5. जहां वातित जल की निकामी पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में किसी कारखाने में नहीं की गई है या उसकी निकामी पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में 1 अगस्त को या उसके पश्चात् प्रथम बार की गई है, वहां इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट छूट लागू नहीं होगी,—

- (i) यदि एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से ऐसे कारखाने से देशी उपभोग के लिए वित्तीय वर्ष 1985-86 के दौरान सभी उत्पाद शुल्क योग्य माल की निकामी का कुल मूल्य बीस लाख रुपए से अधिक हो गया हो,
- (ii) यदि एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से ऐसे कारखाने से देशी उपभोग के लिए वित्तीय वर्ष 1985-86 के दौरान वातित जल की निकामी का कुल मूल्य पन्द्रह लाख रुपए से अधिक हो गया हो;

स्पष्टीकरण—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए,—

(क) “सामान्य व्यापार चिन्ह वाचे वातिन जन” से ऐसा वातिन जल अभिप्रेत है—

- (i) जिसका क्रियान्वेष्ट व्यापार चिन्ह के अधीन जो व्यापार और पण्य वस्तु चिन्ह अधिनियम, 1958 (1958 का 43) के अधीन रजिस्ट्रीकृत है या नहीं, अथवा किसी ब्राण्ड नाम के अधीन किया जाता है; और
- (ii) जिसका विनिर्माण एक से अधिक कारखाने से (चाहे वे एक या अधिक विनिर्माता के हों) एक ही व्यापार चिन्ह या ब्राण्ड नाम से किया जाता है, और

(iii) सभी ऐसे कारखानों में उसकी एक साथ निकामी का कुल मूल्य पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान पन्द्रह लाख रुपए से अधिक हो गया हो;

(ख) “मूल्य” से वह मूल्य अभिप्रेत है जिसका अवधारण केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और तम्बक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 4 के उपबंधों के अनुसार किया जाता है।

स्पष्टीकरण 2—उन अधिसूचना के अधीन निकामी के कुल मूल्य की सगणना करने के प्रयोजनों के लिए, उत्पाद-शुल्क योग्य माल की निकामी जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य अधिसूचना द्वारा (जो ऐसी अधिसूचना नहीं है जिसमें किसी वित्तीय वर्ष से किसी निकामी को वातित करने पर आश्रित उपर उद्घाटनीय समस्त उत्पादशुल्क से छूट दी गई है) उस पर उद्घाटनीय समस्त उत्पादशुल्क से छूट प्राप्त है, विभाजित नहीं की जाएगी।

6. यह अधिसूचना 31 मार्च, 1986 तक जिसके अंतर्गत उक्त तारीख की सम्मिलित है, प्रवृत्त होगी।

[फा. म. बो-21/2/86-डी. आर. य.]

ए. एन. वैद्यगिरि, अवर सचिव

NOTIFICATION

NO. 209/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 542(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts aerated waters, falling under heading No. 22.01 or 22.02 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) and cleared for home consumption on or after the 1st day of April, 1985 and upto and inclusive of 31st day of March, 1986, by or on behalf of a manufacturer, from one or more factories,—

- (a) in the case of first clearances of aerated waters upto an aggregate value not exceeding rupees seven and a half lakhs,—
 - (i) on common trade mark aerated waters forming part of such first clearances, from so much of the duty of excise leviable thereon under the said heading No. [read with any other notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and in force for the time being] as is in excess of fifty per cent of such duty;
 - (ii) on other aerated waters forming part of such first clearances, from the whole of the duty of excise leviable thereon; and
- (b) in the case of the clearances (being clearances of aerated waters of an aggregate value not exceeding rupees seven and a half lakhs) immediately following the said first clearances of the value specified in clause (a),—
 - (i) on common trade mark aerated waters forming part of such clearances, from so much of the duty of excise leviable thereon under the said heading No. [read with any other notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and in force for the time being] as is in excess of fifty per cent of such duty;
 - (ii) on other aerated waters forming part of such clearances, from so much of the duty of excise leviable thereon under the said heading No. [read with any other notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and in force for the time being] as is in excess of seventy five per cent of such duty :

Provided that the aggregate value of clearances of aerated waters from any factory by or on behalf of one or more manufacturers at the concessional rates of duty in terms of—

- (i) clause (a) of this paragraph and clause (a) of paragraph 1 of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 148/82-Central Excises dated the 22nd April, 1982, or
- (ii) clause (b) of this paragraph and clause (b) of paragraph 1 of the notification of the

Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 148/82-Central Excises, dated the 23rd April, 1982,

shall not, in either case, exceed rupees seven and a half lakhs in the financial year 1985-86.

2. Nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer,—

- (i) if the aggregate value of clearances of all excisable goods by him or on his behalf for home consumption, from one or more factories, during the preceding financial year, had exceeded rupees twenty lakhs;
- (ii) if the aggregate value of clearances of aerated waters by him or on his behalf for home consumption, from one or more factories, during the preceding financial year, had exceeded rupees fifteen lakhs.

3. Where a manufacturer has not cleared any aerated waters in the preceding financial year, or has cleared any aerated waters for the first time on or after the 1st day of August in the preceding financial year, the exemption contained in this notification shall be applicable to such manufacturer, —

- (a) if he files a declaration with the Assistant Collector of Central Excise, —
 - (i) that the aggregate value of clearances of all excisable goods by him or on his behalf for home consumption, from one or more factories, during the financial year 1985-86 is not likely to exceed rupees twenty lakhs, and
 - (ii) that the aggregate value of clearances of aerated waters by him or on his behalf for home consumption, from one or more factories, during the financial year 1985-86 is not likely to exceed rupees fifteen lakhs, and
- (b) (i) if the aggregate value of clearances of all excisable goods by him or on his behalf for home consumption, from one or more factories, during the financial year 1985-86 does not exceed rupees twenty lakhs, and
- (ii) if the aggregate value of clearances of aerated waters by him or on his behalf for home consumption, from one or more factories, during the financial year 1985-86 does not exceed rupees fifteen lakhs,

4. Nothing contained in this notification shall apply,—

- (i) if the aggregate value of clearances of all excisable goods from any factory by or on behalf of one or more manufacturers for home consumption, during the preceding financial year, had exceeded rupees twenty lakhs,
- (ii) if the aggregate value of clearances of aerated waters from any factory by or on behalf of one or more manufacturers for home consumption, during the preceding financial year, had exceeded rupees fifteen lakhs.

5. Where any aerated waters have not been cleared from any factory in the preceding financial year, or have been cleared for the first time on or after the 1st day of August in the preceding financial year, the exemption contained in this notification shall not be applicable,—

- (i) if the aggregate value of clearances of all excisable goods from such factory by or on behalf of one or more manufacturers for home consumption, during the financial year 1985-86, exceeds rupees twenty lakhs,
- (ii) if the aggregate value of clearances of aerated waters from such factory by or on behalf of one or more manufacturers for home consumption, during the financial year 1985-86, exceeds rupees fifteen lakhs.

Explanation I.—For the purposes of this notification,—

- (a) “common trade mark aerated waters” means aerated waters—
 - (i) which are sold under a trade mark, registered under the Trade and Merchandise Marks, Act, 1958 (43 of 1958) or not, or under a brand name; and
 - (ii) which are manufactured with the same trade mark or brand name in more than one factory (whether belonging to one or more manufacturers); and
 - (iii) the aggregate value of clearances whereof from all such factories taken together had exceeded rupees fifteen lakhs during the preceding financial year;
- (b) “value” means the value as determined in accordance with the provisions of section 4 of Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

Explanation II.—For the purposes of computing the aggregate value of clearances under this notification, the clearances of any excisable goods which are exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon by any other notification (not being a notification where exemption from the whole of the duty of excise leviable thereon is granted based upon the value of quantity of clearances made in a financial year) issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and for the time being in force, shall not be taken into account.

6. This notification shall remain force upto and inclusive of the 31st day of March, 1986.

[F. No. B-21/2/86-TRU]

K. S. VENKATAGIRI, Under Secy.

अधिसूचना

सं 210/86—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

मा.का.नि 543 (अ) —केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के शीर्ष सं 85.18 के अंतर्गत आने वाले माल

को, उन पर उद्घटनीय होने उत्पाद शुल्क में छूट देती है जितना मूल्य के दम प्रतिशत की दर से संगणित रुकम में अधिक है यदि—

- (1) ऐसे अधिकारी का, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क महापक कलकट में पत्ति से नीचे का न हो। यह समाधान हो जाना है कि ऐसे औद्योगिक एकक में जिसमें निकासी किए जाने वाले उक्त माल का विनिर्माण किया जाना है, स्थापित संयंत्र और मशीनरी पर समय-समय पर किए गए पूंजी विनिर्माण के मूल्य की कुल राशि बीस लाख रुपए से अधिक नहीं है, और
- (2) ऐसे औद्योगिक एकक से एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से घरेलू उपभोग के लिए उक्त माल की निकासी का, यदि कोई हो, कुल मूल्य पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान एक करोड़ रुपए से अधिक नहीं हो गया हो।

परन्तु यह कि—

- (1) एक या अधिक औद्योगिक एकको से किसी विनिर्माता द्वारा या उनकी ओर से; या
- (2) किसी औद्योगिक एकक से एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से,

इस अधिसूचना और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 70/80 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 25 मार्च 1981 में विनिर्दिष्ट शुल्क की घटी दर पर घरेलू उपभोग के लिए उक्त माल का प्रथम निकासी का कुल मूल्य वित्तीय वर्ष, 1985-86 में, किसी भी दशा में पचास लाख रुपए में अधिक नहीं होगा।

परन्तु यह और कि इस अधिसूचना की कोई बात किसी विनिर्माता को लागू नहीं होगी यदि एक या अधिक औद्योगिक एकको से उनके द्वारा या उनकी ओर से घरेलू उपभोग के लिए उक्त माल की निकासी का, यदि कोई हो, कुल मूल्य पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान एक करोड़ रुपए से अधिक हो गया हो।

परन्तु यह भी कि इस अधिसूचना की कोई बात उस दशा में लागू नहीं होगी, यदि—

- (i) एक या अधिक औद्योगिक एकको से किसी विनिर्माता द्वारा या उनकी ओर से, या
- (ii) किसी औद्योगिक एकक से एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से,

घरेलू उपभोग के लिए सभी उत्पाद-शुल्क योग्य माल की निकासी का कुल मूल्य पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान दो करोड़ रुपए में अधिक हो गया हो।

स्पष्टीकरण 1—पूंजी विनिर्माण के मूल्य की कुल राशि का अवधारण करने समय, उस समय जब ऐसा विनिर्माण किया गया था, विनिर्माण का अंतिम मूल्य ही हिसाब में लिया जाएगा किन्तु ऐसे संयंत्र और मशीनरी पर जो किसी औद्योगिक एकक से म्यायी तौर पर हटा दी गई है या किसी प्रयोग के लिए अयोग्य ठहरा दी गई है, किए गए विनिर्माण का मूल्य ऐसे अवधारण से अपवर्जित कर दिया जाएगा।

स्पष्टीकरण 2—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, ‘मूल्य’ का वही अर्थ है जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 4 में है।

2. यह अधिसूचना, तारीख 31 मार्च, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रवृत्त रहेगी।

[फा.स. बी-21/2/86-ट। आर.य.]

गौतम रे, अवर सचिव

NOTIFICATION

NO. 210/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 543(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts goods falling under heading No. 85.18 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the amount calculated at the rate of ten per cent ad valorem—

- (i) if an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that the sum total of the value of capital investment made from time to time on plant and machinery installed in the industrial unit in which the said goods, under clearance, are manufactured, is not more than rupees twenty lakhs, and
- (ii) if the aggregate value of clearances of the said goods, if any, for home consumption, from such industrial unit by or on behalf of one or more manufacturers, during the preceding financial year had not exceeded rupees one crore :

Provided that the aggregate value of first clearances of the said goods, for home consumption, at the reduced rate of duty as specified in this notification and the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 70/81-Central Excises, dated the 25th March, 1981,—

- (i) by or on behalf of a manufacturer from one or more industrial units, or
- (ii) from any industrial unit, by or on behalf of one or more manufacturers,

shall not exceed, in either case, rupees fifty lakhs, in the financial year 1985-86 :

Provided further that nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer if the aggregate value of clearances of the said goods, if any, for home consumption, by him or on his behalf, from one or more industrial units, during the preceding financial year, had exceeded rupees one crore :

Provided also that nothing contained in this notification shall apply if the aggregate value of clearance of all excisable goods for home consumption,—

- (i) by or on behalf of a manufacturer, from one or more industrial units, or
- (ii) from any industrial unit, by or on behalf of one or more manufacturers,

had exceeded rupees two crores during the preceding financial year.

Explanation I.—While determining the sum total of the value of the capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account, but the value of the investment made on plant and machinery

which have been removed permanently from the industrial unit or rendered unfit for any use shall be excluded from such determination.

Explanation II.—For the purposes of this notification, "value" shall have the same meaning as in section 4 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of March, 1986.

[F. No. B-21/2/86-TRU]
GAUTAM RAY, Under Secy.

अधिसूचना

स 211/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा का.नि. 544 (अ) —केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के, यथास्थिति, अध्याय 25, 27, 28 या 32 के अंतर्गत आने वाले और विद्युत महायुता से विनिर्मित वर्णक, रंग, पेड, एनेमल वार्निश, कालिख और सैलुलोज लैकर (जिन्हें इस अधिसूचना में इसके पश्चात् 'उक्त माल' कहा गया है) को, जिनका कुल मूल्य एक करोड़ रुपये से अधिक तक हो और जिनकी निकासी घरेलू उपभोग के लिए तारीख 1 अप्रैल, 1985 को या उसके पश्चात् और 31 मार्च, 1986 तक, जिनमें यह तारीख भी सम्मिलित है, किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखाने से की जाती है, उन पर उद्ग्रहणीय उनसे उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना मूल्य के दो प्रतिशत के बराबर है :

परन्तु यह तब जब कि उक्त माल किसी ऐसे औद्योगिक एकक में विनिर्मित किए जाते हैं जिसकी बाबत ऐसे अधिकारी का, जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक कलक्टर की पंक्ति से नीचे का न हो, यह समाधान हो जाता है कि ऐसे औद्योगिक एकक में जिसमें निकासी किए जाने वाले उक्त माल का विनिर्माण किया जाता है स्थापित केवल संयंत्रों और मशीनरी पर समय-समय पर किए गए पूंजी विनिधान के मूल्य की कुल राशि दस लाख रुपये से अधिक नहीं है :

परन्तु यह और कि एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से किसी कारखाने से इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट शुल्क की छटी दरों पर घरेलू उपभोग के लिए उक्त माल की प्रथम निकासी का कुल मूल्य, किसी वित्तीय वर्ष में एक करोड़ रुपये से अधिक नहीं होगा ।

परन्तु यह भी कि इस अधिसूचना की कोई बात, उक्त माल की बाबत किसी ऐसे विनिर्माता को लागू नहीं होगी, जो भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना स. 212/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 25 मार्च, 1986 के अधीन छूट का उपभोग करता है :

परन्तु यह और भी कि इस अधिसूचना की कोई बात जस्ता आक्साइड को लागू नहीं होगी ।

स्पष्टीकरण 1—पूँजी विनिधान के मूल्य की कुल राशि को अवधारित करते समय, ऐसे विनिधान के उस समय के ही अंकित मूल्य को ही हिसाब में लिया जाएगा जब ऐसा विनिधान किया गया था, किन्तु ऐसे संयंत्र और मशीनरी पर जो औद्योगिक एकक से स्थायी तौर पर हटा दी गई है या किसी प्रयोग के लिए अयोग्य ठहरा दी गई है, किए गए विनिधान का मूल्य ऐसे अवधारण से अपवर्जित कर दिया जाएगा ।

स्पष्टीकरण 2—निकासियों के मूल्य का अवधारित करने के प्रयोजनों के लिए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 74/78—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1978 के अधीन पहलू हा का गई निकासियों के मूल्य का भा हिसाब में लिया जाएगा ।

2. यह अधिसूचना तारीख 31 मार्च, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भा सम्मिलित है, प्रवृत्त रहनेगी ।

NOTIFICATION

NO. 211/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 544(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts pigments, colours, paints, enamels, varnishes, blacks and cellulose lacquers, falling under Chapter 25, 27, 28 or 32, as the case may be, of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) and manufactured with the aid of power (hereinafter referred to as the "said goods") upto an aggregate value not exceeding rupees one crore, cleared for home consumption on or after the 1st day of April, 1985 and upto and inclusive of the 31st day of March, 1986 by or on behalf of a manufacturer from one or more factories from so much of the duty of excise leviable thereon as is equivalent to two per cent ad valorem :

Provided that the said goods are manufactured in an industrial unit in respect of which an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that the sum total of the value of Capital investment made from time to time on plant and machinery only installed in the industrial unit in which the said goods, under clearance, are manufactured is not more than rupees twenty lakhs :

Provided further that the aggregate value of first clearances of the said goods at the reduced rate of duty as specified in this notification, for home consumption, from any factory by or on behalf of one or more manufacturers, shall not exceed rupees one crore, in any financial year:

Provided also that nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer who avails of the exemption under the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 212/86-Central Excises, dated the 25th March, 1986 in respect of the said goods :

Provided also that nothing contained in this notification shall apply to Zinc Oxide.

Explanation I.—While determining the sum total of value of the capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account but the value of the investment made on plant and machinery which have been removed permanently from the industrial units or rendered unfit for any use shall be excluded from such determination.

Explanation II.—For the purposes of determining the value of clearances, the value of clearances already made under the notification of the Government of

India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 74/78-Central Excises, dated the 1st March, 1978, shall also be taken into account.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of March, 1986.

अधिसूचना

सं. 212/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा.का.नि. 545 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपायद्ध सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट वर्णन के और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और तमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम" कहा गया है), जैसा कि वह केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) (जिसे इसमें इसके पश्चात् केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम कहा गया है) के प्रारम्भ के पूर्व विद्यमान था, की पहली अनुसूची के उस मद के, जो उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है, अन्तर्गत आने वाले तथा केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम की अनुसूची में सम्मिलित उत्पाद-शुल्क माल को (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है) जिसकी निकासी, विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से किसी एक या अधिक कारखाने से देशी उपभोग के लिए 1 अप्रैल, 1985 को या उसके पश्चात् तथा 31 मार्च, 1986 तक, जिसमें यह दिन भी है, की जाती है,—

- (क) साढ़े सात लाख रुपए से अनधिक सकल मूल्य तक के विनिर्दिष्ट माल का पहली निकासियों के मामले में, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है ;
- (ख) खंड (क) में विनिर्दिष्ट मूल्य की उक्त निकासियों के ठीक बाद की निकासियों के (जो साढ़े सात लाख रुपए से अनधिक सकल मूल्य के विनिर्दिष्ट माल की निकासियाँ हैं) मामले में, (केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्समय प्रवृत्त किसी सुसंगत अधिसूचना के साथ पठित) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क के उतने भाग से छूट देती है जो ऐसे शुल्क के पचास प्रतिशत से अधिक है ;
- (ग) खंड (ख) में विनिर्दिष्ट मूल्य की उक्त निकासियों के ठीक बाद की निकासियों के (जो दस लाख रुपए से अनधिक सकल मूल्य के विनिर्दिष्ट माल की पहली निकासियाँ हैं) मामले में, (केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्समय प्रवृत्त किसी सुसंगत अधिसूचना के साथ पठित) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क के उतने भाग से छूट देती है जो ऐसे शुल्क के पचास प्रतिशत से अधिक है ; और
- (घ) खंड (ग) में विनिर्दिष्ट मूल्य की उक्त निकासियों के ठीक बाद की निकासियों के जो पन्द्रह लाख रुपए से अनधिक सकल मूल्य के विनिर्दिष्ट माल की निकासियाँ हैं) मामले में (केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्समय प्रवृत्त किसी सुसंगत अधिसूचना के साथ पठित) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क के उतने भाग से छूट देती है जो ऐसे शुल्क के पछहत्तर प्रतिशत से अधिक है :

परन्तु वित्तीय वर्ष 1985-86 में एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा कुल उनका और से किसी कारखाने से विनिर्दिष्ट माल की की गई निकासियों का सकल मूल्य इस पैरा के खंड (क), (ख), (ग) और (घ) के अनुसार क्रमशः साढ़े सात लाख, साढ़े सात लाख, दस लाख और पन्द्रह लाख रुपए से अधिक नहीं होगा।

2. इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट कोई बात उस दशा में लागू नहीं होगी जत्र देशा उपभोग के लिए सभी उत्पाद-शुल्क्य माल की निकासियों का सकल मूल्य,—

(क) किसी एक या अधिक कारखाने से, किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से, या

(ख) किसी एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से किसी कारखाने से, पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में पछहत्तर लाख रुपए से अधिक है।

3. जहां किसी विनिर्माता ने पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में किसी विनिर्दिष्ट माल की निकासी नहीं की है अथवा उसने पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के एक अग्रस्त को या उसके पश्चात् पहली बार ऐसे किसी माल की निकासी की है, वहां इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट छूट ऐसे विनिर्माता को लागू होगी,—

(क) यदि वह नहानक उत्पाद-शुल्क कलकटर को यह घोषणा प्रस्तुत करे कि वित्तीय वर्ष 1985-86 के दौरान एक या अधिक कारखानों से देशो उपभोग के लिए उसके द्वारा या उसकी ओर से सभी उत्पाद-शुल्क्य मालों की की गई निकासियों का सकल मूल्य पछहत्तर लाख रुपए से अधिक होने की संभावना नहीं है, और

(ख) यदि वित्तीय वर्ष 1985-86 के दौरान किसी एक या अधिक कारखानों से देशो उपभोग के लिए उसके द्वारा या उसकी ओर से सभी उत्पाद-शुल्क्य माल की की गई निकासियों का सकल मूल्य पछहत्तर लाख रुपए से अधिक नहीं है।

4. जहां पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में किसी कारखाने से किसी विनिर्दिष्ट माल की निकासी नहीं की गई है या पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में 1 अग्रस्त को या उसके पश्चात् पहली बार की गई है वहां इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट छूट लागू नहीं होगी यदि, वित्तीय वर्ष 1985-86 के दौरान, देशो उपभोग के लिए, एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से ऐसे कारखाने से सभी उत्पाद-शुल्क्य माल की की गई निकासियों का सकल मूल्य पछहत्तर लाख रुपए से अधिक है।

5. पैरा 2 में किसी बात के होते हुए भी, इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट छूट ऐसे किसी विनिर्माता को वर्ष 1985-86 के संबंध में लागू होगी जो किसी विनिर्दिष्ट माल के लिए भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 116/84—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 11 मई, 1984 के अधीन मंजूर किए गए मुजरा का लाभ उठाने का पात्र था, यदि ऐसा विनिर्माता भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 83/83—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च 1983 के अधीन, ऐसे विनिर्दिष्ट माल के लिए वर्ष 1984-85 के दौरान छूट पान का पात्र था।

स्पष्टीकरण 1: किसी वित्तीय वर्ष के दौरान विनिर्दिष्ट माल की, की गई निकासी के कुल मूल्य की संगणना उक्त सारणी की प्रत्येक क्रम सं. की बाबत अलग-अलग की जाएगी और प्रत्येक ऐसी क्रम सं. की बाबत उक्त क्रम संख्या के सामने उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट सभी माल का कुल मूल्य हिसाब में लिया जाएगा।

स्पष्टीकरण 2: इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, “मूल्य” पद से वह मूल्य अभिप्रेत है जिसका अवधारण, यथास्थिति, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 4 के उपबन्धों के अनुसार या उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन नियत या परिवर्तित टैरिफ मूल्यों के अनुसार किया जाता है।

स्पष्टीकरण 3: इस अधिसूचना के अधीन की गई निकासियों के सकल मूल्य का अवधारण करने के प्रयोजनों के लिए, उक्त सारणी की क्रम सं. 26 के सामने विनिर्दिष्ट वर्णन के माल की बाबत, जहां कोई विनिर्माता केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या खादी और ग्राम उद्योग आयोग द्वारा संचालित भाण्ड विकास केन्द्र को या उसके द्वारा अनुरक्षित किसी भट्टे में चीनी मिट्टी के सामान या पोर्सलिन के सामान को या दोनों को, पकाता है, वहां उक्त विनिर्माता के चीनी मिट्टी के सामान या पोर्सलिन के सामान का या दोनों का, जो ऐसे भट्टे में पकाए गए हैं, मूल्य हिसाब में लिया जाएगा।

स्पष्टीकरण 4: इस अधिसूचना के अधीन निकासी के कुल मूल्य की संगणना करने के प्रयोजनों के लिए, किसी उत्पाद-शुल्क्य माल की निकासी, जिसकी केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य अधिसूचना द्वारा (जो ऐसी अधिसूचना नहीं है जहां उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से दो गई छूट किसी वित्तीय वर्ष में की गई निकासी के मूल्य या मात्रा पर आधारित है) उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त है हिसाब में नहीं ली जाएगी किन्तु इस अधिसूचना के अधीन छूट के संबंध में उक्त सारणी के क्रम सं. 52 पर विनिर्दिष्ट माल के लिए, इस अधिसूचना के अधीन निकासियों के मूल्य की संगणना करने में, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 182/82—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 11 मई, 1982 के अधीन छूट का लाभ उठाकर वित्तीय वर्ष, 1984-85 के दौरान उत्पाद-शुल्क्य माल की, की गई निकासियों को, हिसाब में लिया जाएगा।

स्पष्टीकरण 5: जहां किसी विनिर्दिष्ट माल का (जिसे इसमें इस के पश्चात् “निवेश” कहा गया है) उपयोग, निवेश के उत्पादन के कारखाने के भीतर विनिर्दिष्ट माल के (जिसे इसमें इसके पश्चात् “परिरूपित माल” कहा गया है) और विनिर्माण के लिए किया जाता है और जहां ऐसे निवेश और परिरूपित माल उक्त पहली अनुसूची की उसी मद के अन्तर्गत आते हैं, वहां ऐसे उपयोग के लिए ऐसे निवेश की निकासी इस अधिसूचना के अधीन निकासी के कुल मूल्य की संगणना करने के प्रयोजनों के लिए हिसाब में नहीं ली जाएगी।

स्पष्टीकरण 6: इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, “शक्ति चालित, साइकिल” या “शक्ति चालित साइकिल रिक्षा” पद से यथास्थिति यंत्र नोदित साइकिल या यंत्र नोदित साइकिल रिक्षा अभिप्रेत है जो आवश्यकता पड़ने पर पैडल से भी चलाया जा सकता हो।

सारणी

क्रम सं.	केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 की पहली अनुसूची की मद सं.	वर्णन
(1)	(2)	(3)
1.	1क	कन्क्रीशनरी।
2.	1ख	तैयार किए गए या परिरक्षित खाद्य।
3.	१ग	खाद्य उत्पाद।
4.	1१	वनस्पति अनाजपान तेन।
5.	14	वर्णक, रंग, पेंट, इमेमर, बार्निश, कानिब और लकड़ोंस लेकर।

1	2	3	1	2	3
6	14कक	कैल्शियम कार्बोनेट, डब्ल्यू बिग पैस्ट और डब्ल्यू बिग पाउडर तथा सोडियम कार्बाइकोमेट।	35	33	बिजला पखे (जिनके अन्तर्गत बिजला, क पखे के रेगुलेटर भा. ह.), यन्त्र प्रकार के।
7	14ककक	कार्बनिक रसायन।	36	33ख	सभी प्रकार के बिजला के तार और केबल जो अन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं हैं।
8	14खख	सोडियम मिलिबेट।	37	33ग	घरेलू विद्युत साधन, जो अन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं हैं।
9	14ग	ग्लिमर त।	38	33घ	कार्यालय क मशने और साधन, जो अन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं हैं।
10	14घघ	ऐसे किस्म के संश्लिष्ट कार्बनिक उत्पाद जो कार्बनिक मद पद के रूप में प्रयुक्त किए जाते हैं, ऐसे किस्म के उत्पाद जो रेशों के स्वर प्रणाली विरजक के रूप में जाने जाते हैं।	39	33ङ	विद्युत प्रदाय मंटर।
11	14ङ	पेटेट या एकायत ओपध।	40	31	शक्ति चालित माइक्रोले, शक्ति चालित माइक्रोले रिक्शा ओप ट्रेनर।
12	14चच	टथ पेस्ट (जिसमें दन्त कर्म भा. है)।	41	34क	माइक्रोले और ट्रेडिंग क पुर्वाभावात्मक त ट्रेनर है।
13	14छ	सभी प्रकार के नाइट्रिक, हाइड्रोक्लोरिक और सल्फ्यूरिक अम्ल (जिनके अन्तर्गत प्यूमा अम्ल और उनके पेनाहाइड्रेट भा. है)।	42	34ख	यन्त्रादिन मशीन टूट जिनका उपयोग कम दूरी के परिवहन या माल का हवालेन क लिए किया जाता है।
14	14ज	गैसे जिनके अन्तर्गत द्रवित या ठोस बनाई गई गैसे भा. है।	43	37ख	मिनमा प्रोजेक्टर और उनके पुर्जे।
15	15	साबुन।	44	37ग	फोटो निम्न उपकरण और माल।
16	15क (1)	कृत्रिम या संश्लिष्ट रेजिन और प्लास्टिक सामग्री तथा अन्य विनिर्दिष्ट सामग्री।	45	40	स्टील फर्नीचर, जो पूर्णतः या भागत स्टील का बना है, चाहे वह समजित दशा में हो या असमजित दशा में और ऐसे स्टील फर्नीचर के पुर्जे (किन्तु स्टील के बन गानदार कोशों और जैनलों को छोड़कर)।
17	15कक	कार्बनिक सरफेस एक्टिव एजेंट (साबुन में भिन्न) सरफेस एक्टिव निमित्तियाँ और धलाई निमित्तियाँ, चाहे उनमें साबुन हो या नहीं।	46	41	क्राउन वार्क उनमें चाहे वायर या अन्य फिटिंग लगे हो या नहीं।
18	15ग	स्टार्च (जिसके अन्तर्गत टेम्पेटिन और उपांतरित स्टार्च के अन्य रूप भा. है), सभी प्रकार के	47	42	पैक करने के लिए बांधर या अन्य फिटिंगो सहित अथवा रहित सभी प्रकार के फिल्टर प्रूफ कैंप।
19	15घ	पैर के पहनावे, फर्नीचर, फर्श, चमड़ा, धातु, मोटर-यान और वाँच के लिए पालिश और कर्म, माँजने का पाउडर और पप्ट।	48	44	घड़ियाँ और टेबल घड़ियाँ जो मुख्यतः समय बताने के लिए डिजाइन क गई हैं।
20	16क	रबर उत्पाद (टूड रबर और बैमल बैक में मिला)।	49	45	भार के अवधारण के लिए मशीनर और उपकरण जिनके अन्तर्गत वे बिज के पुर्जे भा. हैं।
21	16ख	लवड और लवड, क वस्तुएँ।	50	46	धातु आधार जो अन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं हैं।
22	17	वागज और कागज बोर्ड, सभी प्रकार के तथा उनके विनिर्दिष्ट वस्तुएँ।	51	48	आधार धातु वाला तिजोर, तिजोरनुमा बक्से स्ट्रांग बूम, लाइनिंग जोर स्ट्रांग बूम के दरवाजे (चाहे उनमें चौखट हो या नहीं) तथा नकदी और विलेख रखने वाले बक्से तथा इस प्रकार का चीज।
23	18	टाइपराइटर और इस प्रकार के रिबन चाहे न चर्खी पर हो या नहीं।	52	48क	यात्रा माल।
24	22च	एस्बेस्टास फाइबर और सूत, तथा उनके विनिर्दिष्टियाँ	53	49	सभी प्रकार के रोलिंग बियरिंग, अर्थात् बाल या रोलर बियरिंग।
25	23क	काच और काच का समान।	54	50	सभी प्रकार के बैल्टिंग इलेक्ट्रोड।
26	23ख	सभी प्रकार का चानी मिट्टी का समान और पोसिलेन का समान।	55	51	विलसिन अपघर्षक और घर्षण चक्र।
27	23ग	सभी प्रकार का एस्बेस्टास सीमेंट उत्पाद जिसके अंतर्गत नालीदार चादरे, पाइप और ट्यूब तथा टाइले हैं	56	51क	औजार।
28	28क	सभी प्रकार के विद्युत मुद्राकन और पटलियाकाए।।	57	52	आधार धातु या उसके मिश्र धातु के, चूड़दार या टेप किए, हुए, बाल्ट और डिब्रिया।
29	29	सभी प्रकार के अंतर्दहन इंजिन।	58	56	ताश।
30	30	सभी प्रकार की विद्युत मोटरे और उनके पुर्जे।	59	57	कपूर।
31	30क	द्रव पदार्थों के लिए शक्ति चालित पंप (जिनके अंतर्गत मोटर पंप, टर्बो पंप और माना ब्लाक पंप सेट हैं), चाहे उनमें मापक यंत्र फिट किए हुए हो या नहीं।।	60	58	मैथन।
32	30ख	मोटर स्टार्टर।	61	59 (3)	ध्वनि अभिलेखन के लिए कैसट टेप।
33	31	विद्युत बैटरिया और उनके पुर्जे।			
34	32	विद्युत प्रकाश बल्ब और फ्लोरोसेंट प्रकाश ट्यूब।			

1	2	3
62.	60	ग्रा प्रभार के आसन्न देय जो अन्तर्गत विनियमित नहीं है जिनके अन्तर्गत वैयक्तिक आसन्न देय और आसन्न के अन्तर्गत आसन्न देय भ हैं।
63.	61	विद्युत प्रकाश फिटिंग।
64.	62	टंगस्टन, मानबैडनम और बेनेडियम जैव धातुओं के मिश्रित आसन्न देय के अन्तर्गत के अन्तर्गत, जिस भ रूप या आकार के, जो स्थापित नहीं है।
65.	63	तार के रस्से।
66.	64	कार्बन पाजल (जिसके अन्तर्गत तैय, काटन और एस रिजोन काजल भा है।)
67.	65	खर प्रसकरण स्थान।
68.	66	स्थायी बुन्वक।

6. यह अधिसूचना 31 मार्च, 1986 तक, जिसमें यह दिन भा है, प्रवृत्त रहेगा।

NO. 212/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 545(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts the excisable goods of the description specified in column (3) of the Table hereto annexed and falling under the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) (hereinafter referred to as the Central Excise Tariff Act) and which were falling under such Item No. of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the Central Excises Act) as it existed immediately before the commencement of the Central Excise Tariff Act and specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table (hereinafter referred to as the specified goods), and cleared for home consumption on or after the 1st day of April, 1985 and upto and inclusive of the 31st day of March, 1986, by or on behalf of a manufacturer from one or more factories,—

(a) in the case of first clearances for specified goods upto an aggregate value not exceeding rupees seven and a half lakhs, from the whole of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the Central Excises Act;

(b) in the case of clearances (being clearances of the specified goods of an aggregate value not exceeding rupees seven and a half lakhs) immediately following the said clearances of the value specified in clause (a), from so much of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the Central Excises Act [read with any relevant notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and in force for the time being] as is in excess of twenty-five per cent of such duty;

(c) in the case of clearances (being clearances of the specified goods of an aggregate value not exceeding rupees ten lakhs) immediately following the said clearances of the value specified in clause (b), from so much of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the Central Excises Act [read with any relevant notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and in force for the time being] as is in excess of fifty per cent of such duty; and

(d) in the case of clearances (being clearances of the specified goods of an aggregate value not exceeding rupees fifteen lakhs) immediately following the said clearances of the value specified in clause (c), from so much of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the Central Excises Act [read with any relevant notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and in force for the time being] as is in excess of seventy-five per cent of such duty :

Provided that the aggregate value of clearances of the specified goods from any factory by or on behalf of one or more manufacturers during the financial year 1985-86 shall not exceed rupees seven and a half lakhs, seven and a half lakhs, ten lakhs and fifteen lakhs respectively in terms of clauses (a), (b), (c) and (d) of this paragraph.

2. Nothing contained in this notification shall apply if the aggregate value of clearances of all excisable goods for home consumption,—

(i) by or on behalf of a manufacturer, from one or more factories, or

(ii) from any factory, by or on behalf of one or more manufacturers, had exceeded rupees seventy-five lakhs in the preceding financial year.

3. Where a manufacturer has not cleared any specified goods in the preceding financial year or has cleared any such goods for the first time on or after the 1st day of August, in the preceding financial year, the exemption contained in this notification shall be applicable to such manufacturer,—

(a) if he files a declaration with the Assistant Collector of Central Excise that the aggregate value of clearances of all excisable goods by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories during the financial year 1985-86 is not likely to exceed rupees seventy-five lakhs, and

(b) if the aggregate value of clearances of all excisable goods by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories, during the financial year 1985-86 does not exceed rupees seventy-five lakhs.

4. Where the specified goods have not been cleared from any factory in the preceding financial year, or have been cleared for the first time on or after the

1st day of August, in the preceding financial year, the exemption contained in this notification shall not be applicable if the aggregate value of clearances of all excisable goods from such factory by or on behalf of one or more manufacturers, for home consumption, during the financial year 1985-86 exceeds rupees seventy-five lakhs.

5. Notwithstanding anything contained in paragraph 2, the exemption contained in this notification shall apply for the year 1985-86 to a manufacturer who was eligible for availing of the credit granted under the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 116/84-Central Excises, dated the 11th May, 1984, for any specified goods if such manufacturer was eligible for exemption under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 83/83-Central Excises, dated the 1st March, 1983, during the year 1984-85 for such specified goods.

Explanation I.—The aggregate value of clearances of the specified goods made during any financial year shall be computed separately in respect of each serial number of the said Table and in respect of each such serial number, the aggregate value of all the goods specified in column (3) of the said Table against the said serial number, shall be taken into account.

Explanation II.—For the purposes of this notification the expression 'value' means either the value as determined in accordance with the provisions of section 4 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), or, as the case may be, according to the tariff values fixed or altered under section 3 of the Central Excises Act.

Explanation III.—For the purposes of determining the value of clearances under this notification, in respect of the goods of the description specified against serial number 26 of the said Table where a manufacturer gets his Chinaware or Porcelainware or both fired in a kiln belonging to or maintained by a Pottery Development Centre run by the Central Government or a State Government or by the Khadi and Village Industries Commission, the value of the Chinaware or Porcelainware or both, belonging to the said manufacturer and fired in such a kiln, shall be taken into account.

Explanation IV.—For the purposes of computing the aggregate value of clearances under this notification, the clearances of any excisable goods, which are chargeable to 'nil' rate of duty or are exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon by any other notification (not being a notification where exemption from the whole of duty of excise leviable thereon is granted, based upon the value or quantity of clearances made in a financial year) issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and for the time being in force, shall not be taken into account but in respect of the exemption under this notification, for the goods specified at S. No. 52 of the said Table, in computing the value of clearances under this notification, the clearance of excisable goods effected if any, during the financial year 1984-85 by availing the exemption under the notifi-

cation of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 182/82-Central Excises, dated the 11th May, 1982, shall be taken into account.

Explanation V.—Where any specified goods (hereinafter referred to as inputs) are used for further manufacture of specified goods (hereinafter referred to as finished goods) within the factory of production of inputs and where such inputs and finished goods fall under the same serial number of the said Table, the clearances of such inputs for such use shall not be taken into account for the purposes of calculating the aggregate value of clearances under this notification.

Explanation VI.—For the purposes of this notification, the expression "Powered cycle" or "Powered cycle rickshaw" means a mechanically propelled cycle or, as the case may be, mechanically propelled cycle rickshaw, which may also be pedalled, if any necessity arises for so doing.

TABLE

Sl. No.	Item no. in the First Schedule to the Central Excises Act, as it existed immediately before the commencement of the Central Excise Tariff Act	Description
(1)	(2)	(3)
1.	1A	Confectionery.
2.	1B	Prepared or preserved Foods.
3.	1C	Food Products.
4.	1D	Vegetable non-essential Oils.
5.	14	Pigments, Colours, Paints, Enamels, Varnishes, Blacks and Cellulose Lacquers.
6.	14A	Calcium Carbide, bleaching paste and bleaching powder and bichromate of sodium.
7.	14AAA	Organic Chemicals.
8.	14BB	Sodium Silicate.
9.	14C	Glycerine.
10.	14DD	Synthetic Organic Products of a kind used as Organic Luminescences, products of the kind known as optical bleaching agents, substantive to the fibre.
11.	14E	Patent of Proprietary Medicines.
12.	14FF	Tooth-Paste (including Dental Cream).
13.	14G	Nitric, Hydrochloric and Sulphuric Acids (including fuming acids and anhydrides thereof) all sorts.
14.	14H	Gases, including liquefied gases.
15.	15	Soap.

(1) (2)	(3)	(1) (2)	(3)
16. 15A(1)	Artificial or synthetic resins and plastic materials and other specified materials.	45. 40	Steel furniture made partly or wholly of steel whether in assembled or un-assembled condition (but excluding slotted angles and channels made of steel).
17. 15AA	Organic Surface-active Agents (other than soap); surface-active preparations and washing preparations, whether or not containing soap.	46. 41	Crown Corks, with or without washers or other fittings.
18. 15C	Starch (including Dextrin and other forms of modified Starch), all sorts.	47. 42	Pilfer Proof Caps for packaging, all sorts, with or without washers or other fittings.
19. 15D	Polishes and creams for footwear, furniture, floors, leather, metals, motor vehicles and glass; scouring powders and pastes.	48. 44	Clocks and Time Pieces, primarily designed to show the time of day.
20. 16A	Rubber Products (other than tread rubber and camel back)	49. 45	Machinery and appliances for determination of weight including parts of weigh bridges.
21. 16B	Wood and articles of wood.	50. 46	Metal containers not elsewhere specified.
22. 17	Paper and paper board, all sorts and specified articles thereof.	51. 48	Safes, Strong-Boxes, Strong-room linings and Strong-room doors (whether or not with door frames), an cash and deed boxes and the like of base metal.
23. 22E	Typewriter and similar Ribbons, whether or not on spools.	52. 48A	Travel goods.
24. 22F	Asbestos fibre and yarn, and manufactures therefrom.	53. 49	Rolling Bearings, that is to say, Ball or Roller Bearings, all sorts.
25. 23A	Glass and Glassware.	54. 50	Welding Electrodes, all sorts.
26. 23B	Chinaware and Porcelainware, all sorts.	55. 51	Coated Abrasives and Grinding Wheels.
27. 23C	Asbestos Cement Products, all sorts, including flat and corrugated sheets, pipes and tubes and tiles.	56. 51A	Tools.
28. 28A	Electrical Stampings and Laminations, all sorts.	57. 52	Bolts and Nuts, Threaded or Tapped and Screws, of base metal or alloys thereof.
29. 29	Internal combustion Engines, all sorts	58. 56	Playing Cards.
30. 30	Electric Motors, all sorts; and parts thereof.	59. 57	Camphor.
31. 30A	Power-Driven Pumps (including motor pumps, turbo-pumps and monobloc pumps sets) for liquids, whether or not fitted with measuring devices.	60. 58	Menthol
32. 30B	Motor Starters.	61. 59(3)	Cassette tapes for sound recording.
33. 31	Electric Batteries and Parts thereof	62. 60	Adhesive Tapes, all sorts, not elsewhere specified including cellulose adhesive tapes and paper backed adhesive tapes.
34. 32	Electric Lighting Bulbs and Fluorescent Lighting Tubes.	63. 61	Electric Lighting Fittings.
35. 33	Electric Fans including Regulators for Electric Fans, all sorts.	64. 62	Tools Tips, in any form or size unmounted, of sintered carbides of metals such as Tungsten, Molybdenum and Vanadium.
36. 33B	Electric Wires and Cables, all sorts, not otherwise specified.	65. 63	Wire Ropes.
37. 33C	Domestic Electrical appliances, not elsewhere specified.	66. 64	Carbon Black (including Lamp Black and Acetylene Black).
38. 33D	Office Machines and apparatus, not elsewhere specified.	67. 65	Rubber Processing Chemicals.
39. 33E	Electricity Supply Meters	68. 66	Permanent Magnets.
40. 34	Powered cycles, powered cycle rickshaws and trailers.		
41. 34A	Parts and Accessories of Motor Vehicles and Tractors including Trailers.		
34B	Works Trucks, mechanically propelled, used for short distance transport or handling of goods.		
43. 37B	Cinematograph projectors and parts thereof		
44. 37C	Photographic apparatus and goods.		

6. This notification shall be in force upto and inclusive of 31st day of March, 1986.

सं० 213/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सां०का०नि० 546(अ) —केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उत्पाद-शुल्क माल (चंदन के तेल से भिन्न) को जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) (जिसे इसमें इसके पश्चात् केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम कहा गया है) की अनुसूची के अधीन आता है और जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) (जिसे इसमें इसके पश्चात् केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम कहा गया है) जैसा वह केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम के प्रारम्भ के ठीक पूर्व विद्यमान था, की पहली अनुसूची की मद सं० 68 के अन्तर्गत आता था (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त माल" कहा गया है),

और जिसकी निकासी किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से देशी उपभोग के लिये 1 अप्रैल, 1985 को या उसके पश्चात् और 31 मार्च, 1986 तक, जिसमें यह दिन भी है, की जाती है,—

(क) बीस लाख रुपये से अनधिक कुल मूल्य के उक्त माल की पहली निकासियों के जो दस लाख रुपये से अनधिक कुल मूल्य के अधीन मालपर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है;

(ख) खंड (क) में विनिर्दिष्ट मूल्य की उक्त निकासियों के ठीक बाद की निकासियों के (जो दस लाख रुपये से अनधिक कुल मूल्य के उक्त माल की निकासियां हैं) मामले में (केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्समय प्रवृत्त किसी सुसंगत अधिसूचना के साथ पठित) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क के उतने भाग से छूट देती है जो ऐसे शुल्क के पञ्चमी प्रतिशत से अधिक है; और

(ग) खंड (ख) में विनिर्दिष्ट मूल्य की उक्त निकासियों के ठीक बाद की निकासियों के (जो दस लाख रुपये से अनधिक कुल मूल्य के उक्त माल की निकासियां हैं) मामले में, (केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्समय प्रवृत्त किसी सुसंगत अधिसूचना के साथ पठित) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क के उतने भाग से छूट देती है जो ऐसे शुल्क के पछहत्तर प्रतिशत से अधिक है:

परन्तु यह कि किसी अधिकारी का, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क महायुक्त कलक्टर की पंक्ति में नीचे का न हो, यह समाधान हो जाये कि ऐसा औद्योगिक इकाई में, जिसमें निकासी किये जाने वाले उक्त माल पर, विनिर्माण किया जाता है, स्थापित संयंत्र और मशीनरी पर, समय-समय पर किये गये पूंजी विनिधान के मूल्य की कुल राशि बीस लाख रुपये से अधिक नहीं है.

परन्तु यह और कि 1985-86 के वित्तीय वर्ष में किसी विनिर्माता या विनिर्माताओं द्वारा या उनकी ओर से किसी कारखाने से उक्त माल की निकासियों का कुल मूल्य, इस पैरा के खंड (क), (ख), और (ग) के अनुसार क्रमशः बीस लाख, दस लाख और दस लाख रुपये में अधिक न हो।

2 इस अधिसूचना की कोई बात लागू नहीं होगी यदि एक या अधिक निर्यातों द्वारा या उनकी ओर से किसी कारखाने से देशी उपयोग के लिये सभी उत्पाद-शुल्क योग्य माल की निकासी का कुल मूल्य पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में पछहत्तर लाख रुपये से अधिक हो गया था।

3 इस अधिसूचना की कोई बात किसी विनिर्माता को लागू नहीं होगी यदि ऐसे सभी उत्पाद-शुल्क योग्य माल का कुल मूल्य, जिसकी निकासी, देशी उपभोग के लिये पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से की जाती है, पछहत्तर लाख रुपये से अधिक हो गयी हो।

4 पैरा 2 और पैरा 3 में किसी बात के होने हुए भी, इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट छूट वर्ष 1985-86 के लिये किसी ऐसे विनिर्माता को लागू होगी, जो भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 116/84-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 11 मई, 1984 के अधीन दिये गये मुजरा का उक्त किसी माल के लिये लाभ उठाने का उस दशा में पात्र है जबकि वह भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 77/83-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1983 के अधीन उक्त ऐसे माल के लिये वर्ष 1984-85 के दौरान छूट का पात्र था।

स्पष्टीकरण—1. पूंजी विनिधान के मूल्य की कुल राशि का अवधारण करने समय, उस समय जब ऐसी विनिधान किया गया था, विनिधान का अंकित मूल्य ही हिसाब में लिया जायेगा किन्तु ऐसे संयंत्र और मशीनरी पर जो किसी औद्योगिक यूनिट से स्थायी रूप से हटा दी गई है या किसी प्रयोग के लिये अयोग्य ठहरा दी गई है, किये गये विनिधान का मूल्य ऐसे अवधारण से अपवर्जित कर दिया जायेगा।

स्पष्टीकरण—2. इस अधिसूचना के अधीन निकासी के मूल्य की संगणना करने के प्रयोजन के लिये, (क) उत्पाद-शुल्क माल की, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य अधिसूचना द्वारा (जो ऐसी अधिसूचना नहीं है जहां किसी वित्तीय वर्ष में की गई निकासी के मूल्य और मात्रा पर आधारित उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट दी जाती है) उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त है, निकासियों को हिसाब में नहीं लिया जायेगा।

(ख) चीनी मिट्टी के विद्युत् रोधियों या विद्युत् रोधी फिटिंगों अथवा ऐसे विद्युत् रोधियों या विद्युत् रोधी फिटिंगों के भागों के संबंध में, जहां कोई विनिर्माता केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या खादी और ग्राम आयोग द्वारा संचालित भांड विकास केन्द्र को या उसके द्वारा अनुरक्षित किसी भट्टे में चीनी मिट्टी के विद्युत् रोधियों या विद्युत् रोधी फिटिंगों अथवा ऐसे विद्युत् रोधियों या विद्युत् रोधी फिटिंगों के भागों को, पकाता है, वहां उक्त विनिर्माता के चीनी मिट्टी के विद्युत् रोधियों या विद्युत् रोधी फिटिंगों अथवा ऐसे विद्युत् रोधियों या विद्युत् रोधी फिटिंगों के भागों का, जो ऐसे भट्टे में पकाये गये हैं, मूल्य हिसाब में लिया जायेगा।

5 यह अधिसूचना 31 मार्च, 1986 तक प्रवृत्त रहेगी।

[फा० सं० बी-21/2/86-टी०आर०यू०]

के० एस० बेकटगिरी, अवसरमन्त्रि

NO. 213/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 546(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts excisable goods (other than sandal wood oil) falling under the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) (hereinafter referred to as the Central Excise Tariff Act) and which were falling under Item No. 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the Central Excises Act) as it existed immediately before the commencement of the Central Excise Tariff Act (hereinafter referred to as the "said goods") and cleared for home consumption on or after the 1st day of April, 1985 and upto and inclusive of 31st day of March, 1986, by or on behalf of a manufacturer from one or more factories :—

- in the case of the first clearances of the said goods upto an aggregate value not exceeding rupees twenty lakhs, from the whole of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the Central Excises Act;
- in the case of clearances (being clearances of the said goods of an aggregate value not exceeding rupees ten lakhs) immediately following the said clearances of the value specified in clause (a), from so much of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the Central Excises Act [read with

any relevant notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and in force for the time being] as is in excess of twenty-five per cent of such duty; and

- (c) in the case of clearances (being clearances of the said goods of an aggregate value not exceeding rupees ten lakhs) immediately following the said clearances of the value specified in clause (b), from so much of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the Central Excises Act [read with any relevant notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in force for the time being] as is in excess of seventy-five per cent of such duty :

Provided that an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that the sum total of the value of the capital investment made from time to time on plant and machinery installed in the industrial unit in which the said goods, under clearance are manufactured, is not more than rupees twenty lakhs :

Provided further that the aggregate value of clearances of the said goods from any factory by or on behalf of one or more manufacturers during the financial year 1985-86 shall not exceed rupees twenty lakhs, ten lakhs and ten lakhs respectively in terms of clauses (a), (b) and (c) of this paragraph.

2. Nothing contained in this notification shall apply if the aggregate value of clearances of all excisable goods from any factory by or on behalf of one or more manufacturers, for home consumption, during the preceding financial year had exceeded rupees seventy-five lakhs.

3. Nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer if the aggregate value of clearances of all excisable goods by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories during the preceding financial year, has exceeded rupees seventy-five lakhs. .

4. Notwithstanding anything contained in paragraphs 2 and 3, the exemption contained in this notification shall apply for the year 1985-86 to a manufacturer who is eligible for availing the credit granted under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 116/84-Central Excises, dated the 11th May, 1984 for any of the said goods, if such manufacturer was eligible for exemption under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 77/83-Central Excises, dated the 1st March, 1983 during the year 1984-85 for such of the said goods.

Explanation I.—While determining the sum total of the value of the capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account, but the value of the investment made on plant and machinery which have been removed permanently from the industrial unit or rendered unfit for any use shall be excluded from such determination.

Explanation II.—For the purposes of computing the value of clearances under this notification,—

- (a) the clearances of excisable goods, which are chargeable to nil rate of duty or are exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon by any other notification (not being a notification where exemption from the whole of the duty of excise leviable thereon is granted based upon the value of quantity of clearances made in a financial year) issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and for the time being in force, shall not be taken into account.
- (b) in respect of ceramic electric insulators or ceramic electrical insulating fittings or parts of such insulators or insulating fittings, where a manufacturer gets his ceramic electrical insulators or ceramic electrical insulating fittings or parts of such insulators or insulating fittings fired in a kiln belonging to or maintained by a Pottery Development Centre run by the Central Government or a State Government or by the Khadi and Village Industries Commission, the value of the ceramic electrical insulators or ceramic electrical insulating fittings or parts of such insulators or insulating fittings belonging to the said manufacturer and fired in such a kiln, shall be taken into account.

5. This notification shall remain in force upto and inclusive of the 31st day of March, 1986.

[F. No. B-21/2/86-TRU]

K. S. VENKATAGIRI, Under Secy.

अधिसूचना

सं० 214/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

मा०का०नि० 547(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपावद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट माल को, जिसका विनिर्माण किसी कारखाने में जाँब कार्य के रूप में किया जाता है और जिसका उपयोग उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट अंतिम उत्पाद के विनिर्माण में या उसके संबंध में (जिस पर सम्पूर्ण उत्पाद-शुल्क या उसका भाग उद्ग्रहणीय है) किया जाता है, उस पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण उत्पाद-शुल्क से जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची में विनिर्दिष्ट है, छूट देती है।

स्पष्टीकरण—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिये “जाँब कार्य” पद से जाँब कार्यकर्ता को प्रदाय की गई कच्ची सामग्री या अर्ध-तैयार माल का प्रसंस्करण या उस पर कोई कार्य अभिप्रेत है जिस पर किसी वस्तु के विनिर्माण या तैयारी में परिणामित सम्पूर्ण प्रक्रिया को या उसके किसी भाग को या किसी ऐसी संक्रिया को, जो उपर्युक्त प्रक्रिया के लिये आवश्यक है, पूरा किया जाये।

2. इस अधिसूचना में अन्तर्बिष्ट छूट केवल उक्त माल को लागू होगी जिसकी बाबत,—

- (1) कच्ची सामग्री या अर्ध-तैयार माल का प्रदायकर्ता उक्त नियमों अ/नियम 57क के अधीन निवेशों पर सदत्त शुल्क के लिये

सूजरा जाता है, और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर को, जिसको जाँच कार्यकर्ता के कारखाने पर अधिकारिता है, के समक्ष यह वचनबद्ध होता है कि उक्त माल का उपयोग अन्तिम उत्पाद के विनिर्माण में या उसके संशोधन में किया जायेगा;

(2) उक्त प्रदायकर्ता इस बात का साक्ष्य प्रस्तुत करता है कि उक्त माल का इस प्रकार उपयोग किया गया है; और

(3) उक्त प्रदायकर्ता अन्तिम उत्पादों पर उद्घरण्य केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क की बाबत दायित्वों के निर्वहन के उन्मूलन-के लिये वचनबद्ध होता है ।

मारणी

क्र०सं० उक्त माल के वर्णन		अन्तिम उत्पाद का वर्णन
(1)	(2)	(3)
1. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अध्याय 28, 29, 30, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 48, 70, 72, 73, 74, 75, 76, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95 या 96 के किसी भी उपशीर्ष के अधीन (शीर्ष सं० 36.03 या 37.05 के अन्तर्गत आने वाले माल में भिन्न) वर्गीकृत किये जाने योग्य माल		केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अध्याय 28, 29, 30, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 70, 72, 73, 74, 75, 76, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95 या 96 के किसी शीर्ष के अधीन (शीर्ष सं० 36.03 या 37.05 के अन्तर्गत आने वाले माल से भिन्न) वर्गीकृत किये जाने योग्य माल ।

[फा० सं० वी-21/2/86-टी०आर०यू०]

गौतम रे, अवर सचिव

NOTIFICATION

No. 214/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 547(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts goods specified in column (2) of the Table hereto annexed (hereinafter referred to as the said goods) manufactured in a factory as a job work and used in or in relation to the manufacture of final products (on which duty of excise is leviable whether in whole or in part) specified in column (3) of the said Table, from the whole of the duty of excise leviable thereon, which is specified in the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986).

Explanation.—For the purposes of this notification, the expression “job work” means processing or working upon of raw materials or semi-finished goods supplied to the job worker, so as to complete a part or whole of the process resulting in the manufacture or finishing of an article or any operation which is essential for the aforesaid process.

2. The exemption contained in this notification shall be applicable only to the said goods in respect of which :—

- the supplier of the raw materials or semi-finished goods avails of the credit of duty paid on inputs under rule 57A of the said Rules, and gives an undertaking to the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory of the job worker that the said goods will be used in or in relation to the manufacture of the final products;
- the said supplier produces evidence that the said goods have been so used; and
- the said supplier undertakes the responsibilities of discharging the liabilities in respect of central excise duty leviable on the finished products.

TABLE

Sl. No.	Description of the said goods	Description of final products.
(1)	(2)	(3)
1.	Goods classifiable under any headings of Chapters 28, 29, 30, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 48, 70, 72, 73, 74, 75, 76, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, or 96 (other than those falling under Heading Nos. 36.03 or 37.05) or the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986).	Goods classifiable under any headings of Chapters 28, 29, 30, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 70, 72, 73, 74, 75, 76, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95 or 96 (other than those falling under heading Nos. 36.03 or 37.05) of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986)

[F. No. B21/2/86-TRU]
GAUTAM RAY, Under Secy.